



सात्विक पूजा सामग्री

लक्ष्मी पोटली पूजा के मंत्र

पाठ, अर्थ और 108 जप का क्रम

लक्ष्मी पोटली को लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति या तस्वीर के पास रखें। पहले गणेश जी का स्मरण करें, फिर महालक्ष्मी मंत्र पढ़ें।

पहले गणेश स्मरण

ॐ गं गणपतये नमः॥

महालक्ष्मी मंत्र

ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये
प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं
महालक्ष्म्यै नमः॥

अर्थ: हे कमल में निवास करने वाली माँ लक्ष्मी, प्रसन्न हों।
माँ महालक्ष्मी, आपको प्रणाम।

छोटा महालक्ष्मी मंत्र

ॐ श्रीं महालक्ष्म्यै नमः॥

अर्थ: माँ महालक्ष्मी, आपको प्रणाम।

लंबे मंत्र का पाठ कठिन लगे तो छोटा मंत्र चुनें। किसी एक लक्ष्मी मंत्र का 108 बार जप करें।



लक्ष्मी पोटली

02

108 जप का क्रम

नीचे दिए क्रम से चुने हुए लक्ष्मी मंत्र का जप करें। आपके घर की पूजा-विधि में अलग जप संख्या हो तो उसका पालन करें।

1. एक मंत्र चुनें

लंबे या छोटे महालक्ष्मी मंत्र में से किसी एक का पाठ करें।

2. पूरा मंत्र पढ़ें

लंबे मंत्र की सभी पंक्तियाँ मिलाकर एक जप गिनें।

3. 108 जप पूरे करें

जप गिनने के लिए जपमाला या काउंटर का प्रयोग करें।

मंत्र में प्रसीद दो बार पढ़ें। श्रीं और ह्रीं को दिए हुए क्रम से पढ़ें।

कुबेर पूजन की प्रार्थना

आपकी पूजा में कुबेर पूजन शामिल हो तो यह प्रार्थना पढ़ें। इसके बाद अपने घर की विधि के अनुसार आरती करें।

धनदाय नमस्तुभ्यं निधिपद्माधिपाय च।

भगवन् त्वत्प्रसादेन धनधान्यादिसम्पदः॥

अर्थ: हे धनदाता और धन के भंडारों के स्वामी, आपको प्रणाम।
आपकी कृपा से धन, अन्न और संपत्ति मिले।

जपमाला अलग से रखें। पोटली के 5 कमल गट्टे पूरी जपमाला नहीं हैं।

लक्ष्मी पोटली ऑर्डर करें

लक्ष्मी-गणेश पूजा के लिए पोटली मँगाएँ।



पोटली ऑर्डर करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

[satvikly.com/product/
laxmi-potli/](https://satvikly.com/product/laxmi-potli/)

व्हाट्सऐप / फोन

+91 931 178 0821